Ckãkdekj युवा भाइयों के प्रति

तुम परमपिता के बच्चे हो, तुम्हें कुछ ऐसा कर दिखलाना है,
लहरों से साहिल को ढूढ़ो, नहीं तूफानों से घबराना है.....,
सदा आगे कदम बढ़ाना है, तुम्हें आगे बढ़ते जाना है.....।।
इस मारामारी की दुनिया में, सुख चैन तुम्हें देना होगा,
इन दुख के झंझावातों में, तुम्हें खुशियाँ बरसाना होगा,
इस उजड़े मंजर में फिर से, तुम्हें सुख का जहाँ बसाना होगा,
आश्वस्त करो उस पीढ़ी को तुम्हें जिसका कर्ज चुकाना है....,
सदा आगे कदम बढ़ाना है, तुम्हें.....।।
देखो कहीं अटक मत जाना, माया के झूठे वाद विवादों में,
मुश्किल बाधायें हों कितनी भी, पर पक्के रहना इरादों में,
आजाद हिन्द के उन्मुक्त तरूण, तुम्हें माहिर होना उस्तादों में,
मन के तप से अतिक्रमण मिटा, तुम्हें सोया इतिहास जगाना है,
सदा आगे कदम बढ़ाना है, तुम्हें.....।।
प्रभु की सेना के नायक हो, तुम नवभारत के हो शिल्पकार,
है साथ स्वयं भगवान तुम्हारे, करता जो पल.पल उर्जा का संचार,
तुम आँख उठा देखो तो जरा, है संग तेरे एक लम्बी कतार.....,
हर शख्स भले बेगाना हो, पर तुम्हें सबका साथ निभाना है.....,
सदा आगे कदम बढ़ाना है, तुम्हें.....।।
प्रभु के अरमानों के दीपक हो, दुनिया की उम्मीद के तारे हो,
हर मंजिल दस्तक देती है, पुरूषार्थ की उत्तम रेखा पर,
तकदीर स्वयं ही बदलती है, सत्कर्मों की अभिलेखा पर,
मन को मत भारी करना कभी, तुम्हें सारे जग से गम मिटाना है,
सदा आगे कदम बढ़ाना है, तुम्हें.....।।
नहीं शेर कभी ढूढ़ा करते पदचिन्हों में अपने पथ को,
जाँबांज नहीं माँगा करते, कभी किसी की भी रहमत को,
तुम प्यारे प्रभु के प्रिय प्रतिनिधि हो,तुम्हें खुद में वह भाव जगाना है,
सदा आगे कदम बढ़ाना है, तुम्हें.....।।

ओम शान्ति